न्यूज डायरी

फ्रांस में पैगंबर का नाम लेकर फिर से आतंकी हमला, 3 पुलिसकर्मी घायल

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) फ्रांस। फ्रांस के चर्चित तटीय शहर कांस में एक संदिग्ध आतंकी हमला हुआ है। हमलावर ने पैगंबर का नाम लेकर कई धार्मिक लगाए और पुलिसकर्मियों पर चाकू से हमला कर दिया। हमलावर के चाकूबाजी में 3 पुलिसकर्मी घायल हो गए हैं। पुलिस ने भी जवाबी कार्रवाई करते हुए संदिग्ध आतंकी को गोली मारकर उसे घायल कर दिया है। बताया जा रहा है कि शहर में पुलिस के कार्यालय के सामने हमलावर ने सुबह के समय पैगंबर के नाम पर पुलिसकर्मियों धमकी दी। हमलावर की अभी पहचान नहीं हो पाई है। माना जा रहा है कि वह अल्जीरिया का रहने वाला है और उसकी उम्र 37 साल है। उसका कोई पुलिस रेकॉर्ड भी नहीं है। अभी यह पता नहीं चल पाया है कि यह हमलावर कब अल्जीरिया से फ्रांस आया था। इस ताजा हमले ने कांस के लोगों की चिंता बढ़ा दी है।

चीन की अंतरिक्ष यात्री वांग यांपिंग ने रचा इतिहास

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) बीजिंग। चीन की महिला अंतरिक्ष यात्री वांग यापिंग सोमवार को अंतरिक्ष में चहलकदमी करने वाली पहली चीनी महिला बन गईं है। उन्होंने इतिहास के पन्नों में अपना नाम दर्ज करवा लिया है। वांग ने अपने पुरुष सहयोगी झाई झिगांग के साथ निर्माणाधीन अंतरिक्ष स्टेशन से बाहर छह घंटे से अधिक समय तक निर्माण संबंधी कार्यों को अंजाम दिया। सोमवार सुबह दोनों अंतरिक्ष यात्री तियानहे नामक स्पेस स्टेशन कोर मॉड्यूल से बाहर निकलकर 6.5 घंटे तक अंतरिक्ष में चहलकदमी की और सफलतापूर्वक माड्यूल में वापस लौट आए। चीन की अंतरिक्ष एजेंसी ने एक बयान में कहा कि यह चीनी अंतरिक्ष इतिहास में एक महिला अंतरिक्ष यात्री का स्पेसवाक करना पहला मामला है। चीन ने 16 अक्टूबर को शेनझोउ–13 अंतरिक्ष यान को लान्च किया था, जिसमें तीन अंतरिक्ष यात्रियों को छह महीने के मिशन पर निर्माणाधीन अंतरिक्ष स्टेशन भेजा गया है। अंतरिक्ष स्टेशन को अगले साल तक तैयार हो जाने की उम्मीद की जा रही है।

युद्ध की सूरत में अमेरिका को जवाब देने की तैयारी कर रहा है चीन

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) बीजिंग। अमेरिका से बढ़ते तनाव और दुश्घ्मनी के मद्देनजर चीन पूरी तैयारियों में जुटा हुआ है। इसके तहत उसकी सेना उत्तर पश्चिम के रेगिस्तान में एक खास ड्रील को अंजाम देने में लगी हैं। ये ड्रील दरअसल, अमेरिका और चीन के युद्ध क्षेत्र में आमने–सामने आने और अमेरिका के डिस्ट्रॉयर या उसकी नौसेना को जवाब देने के लिहाज से की जा रही है। चीन बीते कुछ वर्षों से अपनी मिलिट्री को अपग्रेड कर रहा और अपनी ताकत को लगातार बढ़ा रहा है। उसके इरादे पूरी तरह से साफ हैं। चीन दरअसल, दक्षिण चीन सागर और ताइवान के मुद्दे पर अमेरिका से बढ़ते तनाव के मद्देनजर अपनी तैयारी में जुटा है। इसके अलावा वो भारत–प्रशांत क्षेत्र में भी अपनी ताकत और प्रभाव को बढ़ाना चाहता है।

विदेशों से सामान खरीदने पर चीनी शहरों ने लगाई पाबंदी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। चीन के सरकारी अखबार ग्लोबल टाइम्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक, चीन के सीमावर्ती शहर हीहे में काउंटियों और जिलों ने कहा है कि उन्होंने विदेशों से सामान खरीदने को पूरी तरह से निलंबित कर दिया है। ये फैसला उत्तरी चीन के इनर मंगोलिया स्वायत्त क्षेत्र के एरेनहोट शहर के निवासियों द्वारा मंगोलिया से खरीदे गए सामान में संपर्क के आने के बाद कोरोना पाजिटिव होने के बाद लिया गया है। एरेनहॉट के पांच निवासियों ने हाल ही में शहर की महामारी की रोकथाम और नियंत्रण कार्य दल को सूचना दी थी कि उन्होंने मंगोलिया से खरीदे गए सामान को प्राप्त किया था जो टेस्ट में कोविड –19 पाजिटिव पाया गया था। यह 11 नवंबर को वार्षिक खरीदारी की होड़ के रूप में आता है। आदेश का उल्लंघन करने वालों को जवाबदेह ठहराया जाएगा यदि वे कोरोनावायरस प्रसार के लिए जिम्मेदार हैं।

अफगान क्रिकेट बोर्ड पर कब्जा करना चाहता था हक्कानी नेटवर्क

विवाद

हक्कानी को प्रधानमंत्री की ओर से हस्ताक्षरित एक आदेश प्राप्त हुआ जिसके बाद विवाद भड़का

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

काबुल। तालिबान के डेप्युटी पीएम मुल्ला बरादर और गृह मंत्री तथा आतंकवादी संगठन हक्कानी नेटवर्क के प्रमुख सिराजुद्दीन हक्कानी फिर से भिड़ गए हैं। हालांकि इस बार मुद्दा अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (एसीबी) के नियंत्रण को लेकर है। बताया जा रहा है कि शनिवार को सिराजुद्दीन हक्कानी को प्रधानमंत्री मुल्ला हसन अखंड की ओर से हस्ताक्षरित एक आदेश प्राप्त हुआ। इसमें अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड के वर्तमान अध्यक्ष अजीजुल्ला फाजिल को तत्काल प्रभाव से हटाने और अफगानिस्तान के पूर्व क्रिकेटर मीरवाइस अशरफ को नियुक्त करने का आदेश दिया गया।

एसीबी अधिकारियों ने भी अधिसूचना जारी की। हालांकि, जब हक्कानी द्वारा नियुक्त नए अध्यक्ष मीरवाइस अशरफ एसीबी कार्यालय में कार्यभार संभालने के लिए गए, तो बरादर के सशस्त्र समर्थकों ने उन्हें पीटा और उन्हें कार्यभार संभालने की अनुमति नहीं दी। बरादर के लोगों ने कार्यालय पर धावा बोल दिया, अधिकारियों के साथ मारपीट की और बोर्ड के कर्मचारियों को नियुक्ति के संबंध में सभी पदों को हटाने के लिए मजबूर किया।

अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड में दो समानांतर कैंप: वर्तमान अध्यक्ष अजीजुल्ला फाजिल दुबई में अफगान क्रिकेट टीम के साथ हैं और तालिबान शासन द्वारा इस मुद्दे पर कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। ट्विटर पर अपने पोस्ट में एक पत्रकार आसिफ खान कहते हैं, 'अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड में दो समानांतर कैंप। एक ने एसीबी के अध्यक्ष अजीजुल्लाह फाजील को बर्खास्त करने का आदेश दिया, लेकिन फिर दूसरे खेमे ने न केवल इसका विरोध किया बल्कि एसीबी कार्यालय पर धावा बोल दिया! इसलिए अजीजुल्लाह फाजली अभी भी बोर्ड के अध्यक्ष हैं।'

अजीजुल्लाह फाजिल को मुल्ला बरादर द्वारा अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष के रूप में फिर से नियुक्त किया गया था, जब समूह ने देश पर कब्जा कर लिया था। सिराजुद्दीन हक्कानी के छोटे भाई अनस हक्कानी ने अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड के कार्यकारी निदेशक हामिद शिनवारी को बर्खास्त कर दिया और उनके रिश्तेदार नसीबुल्लाह हक्कानी को नियुक्त किया। बरादार के लिए यह एक स्पष्ट संदेश था कि हक्कानी एसीबी को नियंत्रित करना चाहते हैं।

हक्कानी बहुत शक्तिशाली हैं और वे शांत नहीं बैठेंगे: अफगान पत्रकारों के अनुसार, हक्कानी बहुत शक्तिशाली हैं और वे शांत नहीं बैठेंगे। अफगान पत्रकार सामी यूसुफजई लिखते हैं, 'हक्कानी नेटवर्क ने मुल्ला हसन के लिखित आदेश के साथ अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड के प्रमुख फाजली को बदलने की कोशिश की। जवाब में, मुल्ला बरादर और इब्राहिम के आतंकवादियों ने अफगान क्रिकेट बोर्ड कार्यालय पर हमला किया।'

सिराजुद्दीन हक्कानी के नेतृत्व में और खूंखार होगा तालिबान

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) काबुल। अफगानिस्तान में तालिबान के कब्जे के बाद आंतरिक मंत्री बने सिराजुद्दीन हक्कानी की खूब चर्चा हो रही है। पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई का पिट्ठू हक्कानी के सिर पर अमेरिका ने पांच मिलियन डॉलर का ईनाम भी रखा हुआ है। इसके बावजूद वह पाकिस्तान सरकार के साथ मिलकर तहरीक–ए–तालिबान पाकिस्तान से शांति वार्ता कर रहा है। अब विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि अफगानिस्तान में हक्कानी के बढ़ते रुतबे से तालिबान के और खूंखार होने का डर है। इससे न केवल अफगानिस्तान बल्कि पूरी दुनिया को खतरा हो सकता है। अफगानिस्तान और पाकिस्तान में कट्टरपंथी आतंकवादी समूहों पर शोध करने वाले सुरक्षा विशेषज्ञ अब्दुल सईद और सौफान समूह में रिसर्च और पॉलिसी के डायरेक्टर कॉलिन पी क्लार्क ने फॉरेन पॉलिसी में लेख लिखकर पूरी दुनिया को चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि सिराजुद्दीन हक्कानी और उसका चाचा खलील दुनिया का सबसे दुर्दांत आतंकवादी संगठन हक्कानी नेटवर्क को चलाते हैं। यह एक कट्टर अफगान सुन्नी इस्लामी आतंकवादी संगठन है, जिसे तालिबान का हिस्सा माना जाता है। अमेरिका ने 2012 में हक्कानी नेटवर्क को विदेशी आतंकवादी संगठन करार दिया था।

चीन में प्रदूषण रोकथाम के लिए जारी किया नया सर्कुलर

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) बीजिंग। चीन ने बढ़ते वायु प्रदुषण को कम करने के लिए उपाय करने शुरू कर दिए हैं। अधिकारियों ने देश में बढ़ते प्रदूषण के संकट को रोकने और नियंत्रित करने के लिए चल रही लड़ाई को बढ़ावा देने के लिए नया सर्कुलर जारी किया है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, चीन की केंद्रीय समिति और राज्य परिषद की कम्युनिस्ट पार्टी द्वारा संयुक्त रूप से जारी किए गए सर्कुलर में पारिस्थितिकी पर्यावरण में सुधार के प्रमुख लक्ष्यों का विवरण दिया गया है। सर्कुलर के अनुसार, 2025 तक देश के सकल घरेलू उत्पाद की प्रति यूनिट कार्बन डाइआक्साइड उत्सर्जन 2020 के स्तर से 18 प्रतिशत कम हो जाएगा।

चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के अभूतपूर्व तीसरे कार्यकाल का रास्ता होगा साफ

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

बीजिंग। राष्ट्रपति शी चिनफिंग के अभूतपूर्व तीसरे कार्यकाल का मार्ग प्रशस्त करने के लिये चीन की कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीसी) के सैकड़ों वरिष्ठ अधिकारियों ने 100 साल पुरानी सत्ताधारी पार्टी के एक दुर्लभ ऐतिहासिक प्रस्ताव पर चर्चा करने और उसे पारित करने के लिए सोमवार को यहां एक महत्वपूर्ण चार दिवसीय सम्मेलन शुरू किया।

सीपीसी की 19वीं केंद्रीय समिति ने अपना छठा पूर्ण सत्र शुरू किया। सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ की खबर के अनुसार, सीपीसी केंद्रीय समिति के लगभग 400 पूर्ण और वैकल्पिक सदस्य इस अधिवेशन में हिस्सा ले रहे हैं।

खबर में कहा गया है कि सीपीसी केंद्रीय समिति के महासचिव शी ने राजनीतिक ब्यूरो की ओर से एक कार्य रिपोर्ट दी और सीपीसी के 100 वर्षों के प्रयासों की प्रमुख उपलब्धियों और ऐतिहासिक अनुभव पर एक मसौदा प्रस्ताव पर स्पष्टीकरण दिया। शी (68) के पास चीन की सत्ता के तीनों केंद्र – सीपीसी के महासचिव का पद, शक्तिशाली केंद्रीय सैन्य आयोग (सीएमसी) के अध्यक्ष का पद, जो कि सेना का समग्र उच्च कमान है, और राष्ट्रपति का पद – हैं। राष्ट्रपति के तौर पर शी अगले साल अपना पांच साल का दूसरा कार्यकाल पूरा करने वाले हैं।

राजनीतिक रूप से, यह बैठक शी के लिए महत्वपूर्ण मानी जा रही है, जो सत्ता में अपने पिछले नौ वर्षों के कार्यकाल में पार्टी के संस्थापक माओ त्से तुंग के बाद सबसे शक्तिशाली नेता के तौर पर उभरे हैं। अपने पूर्ववर्ती हू जिनताओ के विपरीत चिनफिंग के तीसरे कार्यकाल के लिए पद पर बने रहने की व्यापक रूप से उम्मीद की जा रही है। जिनताओ दो कार्यकाल के बाद सेवानिवृत्त हुए थे। चिनफिंग 2018 में एक महत्वपूर्ण संवैधानिक संशोधन के मद्देनजर संभवतरू आजीवन सत्ता में बने रह सकते हैं।

चीन तेजी से बढ़ा रहा है अपने परमाणु हथियारों का जखीरा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वाशिंगटन। अमेरिका के रक्षा मंत्रालय की रिपोर्ट में कहा गया है कि चीन बड़ी तेजी के साथ अपने परमाणु हथियारों का जखीरा बढ़ाने में लगा हुआ है। रिपोर्ट के मुताबिक फिलहाल उसके पास अनुमानित तौर पर 200 से कम परमाणु हथियार हैं जो अगले सात वर्ष में बढ़कर 700 और वर्ष 2030 तक एक हजार हो जाएंगे। पेंटागन की तरफ से जारी मिलिट्री एंड सिक्ध्योरिटी डेवलेपमेंट इंवोल्ध्विंग दी पीपुल्ध्स रिपब्लिक आफ चाइना 2021, और चाइना मिलिट्री पावर रिपोर्ट (सीएमपीआर) में इस बात का जिक्र किया गया है। ये रिपोर्ट करीब 192 पेज की है। आपको बता दें कि वर्ष 2000 के बाद से ही अमेरिका के रक्षा मंत्रालय पेंटागन की तरफ से इस तरह की रिपोर्ट जारी की जाती है। हालांकि इस बार इस रिपोर्ट को जारी करने में पिछले वर्ष की तुलना में दो माह का समय अधिक लगा है। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि चीन की इस तेजी का मकसद अपने मजबूत और ताकतवर दुश्मनों को युद्ध में हराना है।